SHRI PRABHAKAR B. KORE: The hon. Minister just now informed that the fare on these flights is being charged on kilometre basis and per kilometre it comes to Rs. 1.86. I would like to point out that the distance between Belgaum and Bombay and Belgaum and Bangalore is the same. While the fare from Belgaum to Bombay is less than Rs. 800, the fare between Belgaum and Bangalore is Rs. 980. So, I think the fare is not on the kilometre basis. Will the hon. Minister answer why the fare between these two areas is different, while the distance between these two areas is the same.

MR. CHAIRMAN : You kindly look into it, why the fare between these two areas is different.?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, देश के दूर-दराज के इलाकों में जहां रेलगाड़ी नहीं चलती, सड़क से जाने में भी तीन-तीन, चार-चार दिन लगते हैं, वहां कम आमदनी वाले को भी हवाई जहाज से जाना पड़ता है । हाल में ही, मैं लेह में था। लेह सामरिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन लेह को जोड़नेवाली जो हवाई जहाज की कड़ी है, जब सारे देश में किराए बढ़ते हैं और किराए कम करने के बारे में विचार होता है तो लेह के लिए कोई विशेष विचार नहीं होता । लेह निवासियों का कहना है कि उनके किराए और कम होने चाहिए जिससे कि वे जरूरत पड़ने पर कम आमदनी होने हुए भी देश के और भागों में आ जा सकें ।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : श्रीमन्, मुझे लेह के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन नार्थ ईस्ट रीजन में ... (**व्यवधान**) ... मुझे अगर सही याद है तो 17 प्रतिशत कि रिबेट वहां पर दी जाती है । जो बात माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कही है, मैं उनसे पूरी तरह सहमत हूं कि लेह बहुत दूर-दराज का इलाका है और जो महत्व आपने बताया, वह भी है । निश्चित रूप से जिस तरह नार्थ ईस्ट रीजन है, उसी तरह वहां की समस्याओं पर भी विचार किया जाना चाहिए ।

SHRI T. A. MOHAMMAD SAQHY : The fare is being increased from time to time, but the facilities are remaining the same or are deteriorating. The quality of food supplied is not up to the mark. Even though they get food from five-star hotels, its quality is not good. I would like to know whether any quality control Officers are being appointed to check the quality.

Secondly, in the Airlines, aircraft from Delhi to Madras, Delhi to Calcutta, or from Delhi to Bangalore Journey takes at least three to three and a half hours. I would like to know if in such flights television sets or video sets can be provided, because passengers are paying so much money for it.

SHRI ARIF MOHD. KHAN : I have noted the suggestions made by the Hon. Member. As I stated earlier, we will try our best to improve the services as much as possible.

Combating Malaria

*342. SHRI B. K. HARIPRASAD : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the observations of CAG on statistics regarding Malaria as reported in 'Rajasthan Patrika' of the 30th June, 1990;

(b) whether it is a fact that Malaria parasites have developed large scale resistance to Malaria drugs due to sub-standard quality of DDT and its irrational use;

(c) whether it is also a fact that excessive use of DDT has

resulted in serious damages to environment and residue levels in food articles and human beings; and

(d) if so, what steps are proposed to be taken to tackle the mosquito menace without damaging the environment ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI RASHEED MASOOD) : (a) Yes, Sir.

(b) to (d) A Statement is laid on the Table of the Sabha. (*See* below).

Statement

Malaria is pre-dominantly caused by two types of parasites, viz. P. vivax and P. falciparum. These parasites are transmitted through nine species of mosquitoes. Two species of mosquitoes viz. A. culicifacies and A. stephensi are found to be resistant to the use of DDT.

DDT is used for indoor spray to achieve reduction in mosquito density. Norms have been fixed with regard to dosage, time-schedule and application. Indoor spraying is done on the walls and ceiling of houses and cattle-sheds. Therefore, there is no likelihood of pollution of soil and water as a result of use of DDT for control of malaria.

One type of malaria parasite—P. falciparum—has been found to be resistant to the commonly used drug chloroquine in certain pockets in the country. Parasite resistance to anti-malarial drug is not due to the use of DDT.

DDT was also being used in agriculture. Traces of DDT have remained in the environment because of its persistent characteristics. The Indian Council of Agricultural Research has conducted studies on DDT residues in food articles. DDT can be ingested and stored in human tissues through food and studies have shown that DDT level is found in human body fat. Therefore, Government has imposed a ban on the use of DDT in agriculture with effect from 26th May, 1989.

Government has also taken a decision that the use of DDT for control of Malaria will be restricted to a ceiling not exceeding 10,000 MT per annum. Further, reduction in the use of DDT will depend on the availability of cost-effective alternate methods of reducing mosquito density.

The use of DDT in the Malaria Control Programme is made selectively in areas where it is effective. Alternative approaches to control mosquito density are being promoted in twelve projects taken up by the Malaria Research Centre. Under these projects mosquito control is being attempted through application of biological, environmental and personal protection methods.

SHRI B. K. HARIPRASAD : Mr. Chairman, Sir, the reply given by the Minister looks very vague. In my question I have referred to the report made by the CAG, newspapers and others regarding the failure of the anti-malaria programme. The number of deaths due to malaria has increased from 70 to 580. I just want to know from the hon. Minister what concrete programme he has made to control the malaria which is affecting the lives of the common people especially in the slums and the rural parts of the country. For your information in Khammam distrct of Andhra Pradesh alone, in the last month about 200 deaths have been reported on account of malaria. Sir I just want to know from the hon. Minister what action he has taken on the report submitted by the CAG.

श्री रशीद मसूद : सर, मलेरिया के कंट्रोल के लिए हमने जो एक नयी स्कीम

बनायी है जिसमें जो हम स्प्रे करते हैं डी.डी.टी. से, डी.एच.सी. से या मेलेथियॉन से, उसके अलावा बायो एनवायरनमेंटल तरीके से मलेरिया को कंट्रोल करने की स्कीम बनायी है जिसमें कि 12 जिलों में पूरे हिंदुस्तान के काम चल रहा है और हमें उम्मीद है कि इसके कामयाब होने के बाद हम उसे पूरे हिंदुस्तान में लागू करेंगे । यह बात सही है कि डेथ्स इंक्रीज हुई है । पिछले तीन साल यानी 87,88,89 में डेथ्स में इंक्रीज हुई है । जो आपने सी.ए.जी. के बारे में कहा है और जो पाइंट्स उन्होंने रेज किए हैं, अगर वह चाहते हैं तो मैं वह भी बता देता हूं । लेकिन मैंने अपना जो जवाब दिया है, 7–8 पाइंट्स सी. ए. जी. ने अपनी रिपोर्ट में रेज किए हैं और इनके बारे में मैं हर पाइंट के बारे में बता देता हूं और किसी हद तक मैं सी.ए.जी. के कुछ मामलात से मुत्तफिक भी हूं ।

श्री सभापति : लंबा हो तो आप टेबिल पर रख दीजिए ?

श्री रशीद मसूद : 7 पाइंट्स हैं, मैं इसको टेबिल पर रख देता हूं । लेकिन इस बारे में बता देता हूं कि कुछ पाइंट्स हैं जो सी.ए.जी. ने अपनी रिपोर्ट में रेज किए हैं, उनसे मैं मुत्तफिक हूं ।

SHRI B. K. HARIPRASAD : May I know from the hon. Minister in how many States in the country, malaria has been totally eradicated ? We know that huge sums of money have been spent on eradication of malaria in this country.

श्री रशीद मसूद : सर, कम्प्लीटली इरेडिकेट तो मलेरिया किसी भी स्टेट में नहीं हुआ है अलावा इसके जहां 1700 मीटर से ऊपर की जगह है या कोस्टल एरियाज हैं जहां कि पहले से ही मलेलिया नहीं था । कम्प्लीटली इरेडिकेशन तो किसी जगह से नहीं हुआ है । जवाब आप ही देंगे क्यों नहीं हुआ है ?

श्री सभापति : हिंदुस्तान में नहीं हुआ है, विदेशों में तो हो गया है ।

श्री रशीद मसूद : मैं तो अपनी स्टेट्स में कह रहा हूं ।

SHRI B. K. HARIPRASAD : In Karnataka during 1982-85 malaria was totally eradicated.

MR. CHAIRMAN : His question is during 1982-85 malaria in Karnataka was totally eradicated. You find out.

श्री रशीद मसूद : इरेडिकेशन मलेरिया का किसी भी स्टेट से टोटली हंड्रेड परसेंट नहीं हुआ है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, पिछली सरकार ने दावा किया था कि मच्छर रहेंगे, लेकिन मलेरिया नहीं रहेगा । यह जगह-जगह दीवारों पर लिखा गया था कि मलेरिया हमने खत्म कर दिया है । फिर कब वापिस आया और कितना वापिस आया, यह मंत्री महोदय बताएं ?

श्री रशीद मसूद : मैं समझता हूं कि वह क्लेम दुरूस्त नहीं था, इसलिए मैंने कहा था कि जवाब आप देंगे क्यों नहीं हुआ है ?

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : सभापति जी, इसे नयी सरकार लेकर आयी है ।

श्री रशीद मसूद : नयी सरकार के साथ नहीं आया है । मलेरिया कभी भी इरेडिकेट नहीं हुआ है । ...(**व्यवधान**)... आपने पूरे नेशन को सच न बताकर गलत काम किया है ।

श्री रजनी रंजन साहू : सभापति महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है और अभी सदन में इस बात की चर्चा हुई कि नयी सरकार मलेरिया के मच्छर लेकर आयी है । लेकिन यह बात सही है कि मलेरिया सिर्फ मच्छर से नहीं होता है, मच्छर एक वजह है, लेकिन मलेरिया होने के कई और भी कारण हैं, जिसका कारण स्वास्थ्य मंत्री जी को बताना चाहिए।

मेरा प्रश्न सीधा इनके उत्तर से है– मैं ज्यादा लम्बा समय नहीं लेना चाहता

हूं । यह बीमारी गरीबों में सबसे ज्यादा होती है और देहात के लोग ज्यादा इससे पीड़ित होते हैं । मलेरिया उन्मूलन के लिए डी.डी.टी. के छिड़काव के बारे में उन्होंने उत्तर में कहा है कि इंडियन कौंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च ने डी.डी.टी. के छिड़काव पर प्रतिबंध लगाया है, और आप अभी तक उसी के छिड़काव से मलेरिया के मच्छर को मारने का प्रबंध करते हैं । तो क्या इसके अलावा इनके पास और दूसरी छिड़काव की दवाइयां हैं, जिससे वह मच्छर मार सकें?

दूसरी बात, इन्होंने बारह सेंटर्ज़ के बारे में कहा है कि–

Alternative approaches to control mosquito density are being promoted in twelve projects taken up by the Malaria Research Centre.

यह बारह सेंटर देश में कहां-कहां, किन-किन हिस्सों में हैं ? जहां गरीब इलाका है, जहां मलेरिया ज्यादा होता है, जहां पानी का जमाव होता है, जहां वातावरण खराब होता है, वहां या इसके अलावा और कहीं हैं ?

श्री रशीद मसूद : जो माननीय सदस्य ने पहला सवाल किया है कि मास्कीटो के अलावा कोई दूसरे भी काज़ेज़ हैं मलेरिया के, तो मेरे इल्म में यह नहीं है ।

मैं जानकारी करने की कोशिश करूंगा और होंगे तो माननीय सदस्य को उसकी इत्तिला दूंगा । दूसरी बात, माननीय सदस्य ने कही है कि इंडियन मेडिकल कौंसिल ने–क्या बताया आपने ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : इंडियन कौंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च ।

श्री रशीद मसूद : हां, उसने पाबंदी लगाई है, लेकिन वह एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस के यूज़ में लगाई है और जो पब्लिक हैल्थ के सेक्टर्ज हैं, उनमें पाबंदी नहीं है । वह इस वजह से नहीं है कि जो हम मच्छरों को मारने का काम करते हैं, वह पानी में डी.डी.टी. का छिड़काव नहीं करते हैं, बल्कि दीवारों पर उसका स्प्रे करते हैं, जिससे उसके पानी में शामिल होने या खाने की चीजों में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है । खाने की चीजों को, जो घरों में होती है, उनको ढक दिया जाता है । उसकी पूरी-पूरी प्रिकाशंस ली जाती है, ताकि उससे कोई नुकसान न हो । जो आपने पूछा कि यह सेंटर कहां-कहां है...

श्री रजनी रंजन साहू : प्रिकाशन अलग चीज है, बुनियादी पाबंदी अलग चीज है– इसके ऊपर स्वास्थ्य मंत्री जी प्रकाश डालें ।

श्री रशीद मसूद : जो आपने सेंटर्ज के बारे में पूछा है, यह बारह जिले हैं– एक गुजरात में खेड़ा डिस्ट्रिक्ट, शाहजहांपुर डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश में हरिद्वार डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश में हल्दवानी , उत्तर प्रदेश में, इलाहाबाद यू.पी. में, मांडा डिस्ट्रिक्ट उत्तर प्रदेश में.....

श्री सभापति : इलाहाबाद यू.पी. में ही है । उत्तर प्रदेश और यू.पी. एक ही है ।

श्री रशीद मसूद : मैं बता रहा हूं ना। मैंने कहीं पर यू.पी. कह दिया और कहीं पर उत्तर प्रदेश कहा।

श्री सभापति : आपने कहीं उत्तर प्रदेश कहा और कहीं यू.पी. कहा । अभी तक तो एक ही है ।

श्री रशीद मसूद : गंगा-जमनी तहज़ीव हम बनाना चाहते हैं, तो हमें जुबान को भी गंगा-जमनी बनाना पड़ेगा ।

श्री सभापति : तो कभी यू.पी. कहा और कहीं उत्तर प्रदेश –उसका मतलब यह तो नहीं कि दो हिस्से हो गये ।

श्री रशीद मसूद : हम कह रहे हैं कि हम हिन्दी को इतना सरल करना चाहते हैं कि उसमें यू.पी. भी अगर हम कहें, तो उत्तर प्रदेश समझा जाए । मांडला डिस्ट्रिक्ट मध्य प्रदेश...

श्री सभापति : फिर आप थोड़ी देर में कहेंगे शुभाल प्रदेश ।

श्री रशीद मसूद : राऊरकेला, उड़ीसा, पंजिम, डिस्ट्रिक्ट गोवा, कामरूप डिस्ट्रिक्ट असम, कार-निकोबार आइलैंड और मद्रास में तमिल नाडू, दिल्ली में—यह हमारी जगहें हैं और इनके अलावा इसलिए लिया गया था कि इन जगहों पर यह समझा जाता था कि इनमें मलेरिया है ।

श्री रजनी रंजन साहू : बिहार में इतना मलेरिया होता है, बावजूद उसके इन्होंने वहां पर एक भी सेंटर नहीं खोला है ।

श्री रशीद मसूद : ऐसी बहुत सारी जगहें हैं । दिल्ली में भी हैं । जहां मलेरिया का ब्रेक अप हो सकता है, लेकिन यह तजुर्बे के तौर पर किया है । लेकिन इसको जब लागू करेंगे, तब आप यकीन रखिये कि कोई डिस्ट्रिक्ट नहीं बचेगा । लेकिन तजुर्बे के तौर पर सारे हिन्दुस्तान में हर डिस्ट्रिक्ट में तजुर्बा नहीं किया जा सकता है ।

श्रीमती कमला सिन्हा : बिहार में तो मलेरिया और फायलेरिया दोनों हैं ।

DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Mr. Chairman, Sir, in the temple town of Andhra Pradesh, Bhadrachalam in Khammam district, more than 300 people died of this killing Malaria. But unfortuof tely in the list announced by the hon. Minister, this district does not find a place in the twelve districts announced by the Minister. What is the reason for not including it in the list ? The second part of my question is, Malaria was eradicated sometime back and the Government also claimed that Malaria had been eradicated cent per cent in some States and in some districts. But soon after there was a laxity in implementing the programme and therefore, revengeful comeback is there. The National Malaria Eradication Programme is popularly known as National Malaria Expansion Programme. ...is popularly known in the villages as the National Malaria Expanding Programme, So, to get back to the National Malaria Eradicating Programme, what steps have been taken by the Government to eredicate malaria under the NMEP ?

श्री रशीद मसूद : सर जैसा मैंने कहा है कि सब जिले इसमें नहीं दिए जा सकते थे । हो सकता है कुछ जगहों पर मलेरिया के ज्यादा केसिज़ हों लेकिन उन सब जिलों को नहीं लिया जा सकता है क्योंकि यह तजुर्बे के तौर पर है । जब हम इसको तजुर्बे से निकलकर (**व्यवधान**) लेकिन उनके जिले के मामले में भी वह देंगे तो मैं उसकी इत्तिला दे दूंगा ।

श्री सभापति : वहां के नहीं है, है तो गुंटूर के लेकिन वहां के बारे में बात कर रहे हैं ।

श्री रशीद मसूद : दूसरा साहब, वह बात मुझे फिर रिपीट करनी पड़ती है, मैं बड़ी माफी के साथ उधर के साथियों से कहना चाहता हूं कि सही इन्फारमेशन न देकर के पार्लियामैंट को बड़ा गलत काम हमने किया है ।मैं यह बात फिर कहना चाहता हूं कि इंरेडिकेट 100 परसेंट मलेरिया कभी भी नहीं हुआ है । किसी टाऊन में या किसी एक आध जिले में यह पोजिशन हो गई हो उसके बारे में नहीं कहा जा सकता लेकिन पूरे हिन्दुस्तान में ....

श्री सभापति : अब आप कोशिश करेंगे ?

श्री रशीद मसूद : अब हमने जो नई स्कीम बनाई है और जैसा हमने कहा है कि यह तजुर्बा हो जाए तो उसके बाद हम ज्यादा से ज्यादा उसको बड़ा बनाकर एक्सपेंड करने की कोशिश करेंगे ।

कुमारी सईदा खातून : माननीय अध्यक्ष जी, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि हिन्दुस्तान के इंटीरियर क्षेत्रों में जहां मलेरिया ही नहीं बल्कि फायलेरिया और गॉयटर जैसे मर्ज होते है और खास तौर से यह गॉयटर का मर्ज लेडीज़ में ज्यादा देखने में

आता है तो इन मर्जी के लिए क्या कोई मोबाइल वैन्स की व्यवस्था आपने की है या किन क्षेत्रों में मोबाइल वैन्स की व्यवस्था की है जिनमें दवाइयां भी बंटवाई जाती हैं या किन-किन क्षेत्रों में की है और उनमें कौन सी स्टेट आती है जहां पर यह व्यवस्था की गई है और आइंदा भी किए जाने की संभावना है ?

श्री रशीद मसूद : सर, गॉयटर का वैसे इसमें नहीं है लेकिन गॉयटर का नेशनल प्रोग्राम में है और उसको हम देख रहे हैं । अभी तक हमने कहीं ऐसा नहीं किया कि गॉयटर के लिए कोई मोबाइल वैन्स की व्यवस्था की हो । दिल हमारा चाहता है कि हम मोबाइल वैन्स को करें लेकिन रिसोसज़ हमें इसकी इजाजत नहीं देते । अगर हमारे पास रिसोर्सेज होंगे तो हम हर घर में क्या, हर व्यक्ति को दवाई पहुंचाने का काम करेंगे ।

कुमारी सईदा खातून : गॉयटर के लिए.....

श्री सभापति : यह मलेरिया का सवाल है, आप गॉयटर पर चली गई ।

SHRI SUNIL BASU RAY : The Minister was saying that malaria was never eradicated and malaria is a consequence of the environmental activities that we carry on. Even after World War II, malaria emerged in the same areas where all through the war years, there were intensive and extensive DDT application. So my question to the Minister is whether the Government is ready to monitor the development activities which cause stagnation of water and thereby breed mosquitoes.

Till eradication takes place completely in the most intensively malaria-prone areas, specially in the rural areas, will the Government supply quinine or similar types of medicines free of cost to the poor and the needy people ? These are my two questions.

श्री रशीद मसूद : सर, जैसा मैंने अभी बताया कि प्रोजेक्टस में 12 जिलों को ले रहे है । यह असल में बेसिकली बायो इन्वायरमेंटल के लिए हैं जिसमें हम इन्वायरमेंट का भी ख्याल रखेंगे कि पोल्यूशन न हो और इस तरह से हम करेंगे और हमें उम्मीद है कि हल हो जाएगी । कुनीन को अभी हम फ्री डिस्टीब्यूट करते हैं और आइंदा भी करते रहेंगे । डी०डी०टी० का जो स्प्रे है, उसको हम करते हैं और मानिटरिंग के लिए हम सोच रहे हैं कि उसका कोई इफेक्टिव मॉनिटरिंग हो सके और उसके लिए कमेटी नीचे से लेकर. ग्रास रूट लेवल से लेकर ऊपर तक बनाना चाहते हैं ।

MR. CHAIRMAN : He wants to know whether you will take special care of malaria-prone areas.

SHRI RASHEED MASOOD : Yes, we will take care of them, without doubt.

SHRI VITHALBHAI M. PATEL : The Minister has just now announced 12 centres. There was a proposal to set up a malaria eradicating centre in Kheda district. An order was also issued to acquire land for the purpose. But nothing has happened till now. What are you going to do about it ?

श्री रशीद मसूद : सर, यह जैसा मैंने कहा है कि अभी तो यह जो हास्पिटल्स हैं और उनसे अटेच वे हैं, लेकिन यह कोई परमानेंट बात है नहीं कि हम हर सैंटर को इस तरीके से करें । ...

श्री सभापति : खेडा में किया है ।

श्री रशीद मसूद : खेडा में किया है। वह कह रहे हैं कि सब जगह में जहां-जहां हम यह बनाएंगे, तो उसमें वह नहीं है । जब हम जाएं करेंगे तो जो हमारे पास इन्फ्रास्ट्रक्चर है उसके अंदर में करेंगे ।